RNI NO. MPHIN/2016/71129

समाचार ग्रह

10 YEARS

आपके विश्वास और सहयोग के 9 वर्ष पूर्ण...

असतो मा सद्गमय

■ वर्ष 10 ■ अंक 08 ■ प्रति सोमवार ■ भोपाल, 01 से 07 सितंबर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रुपए

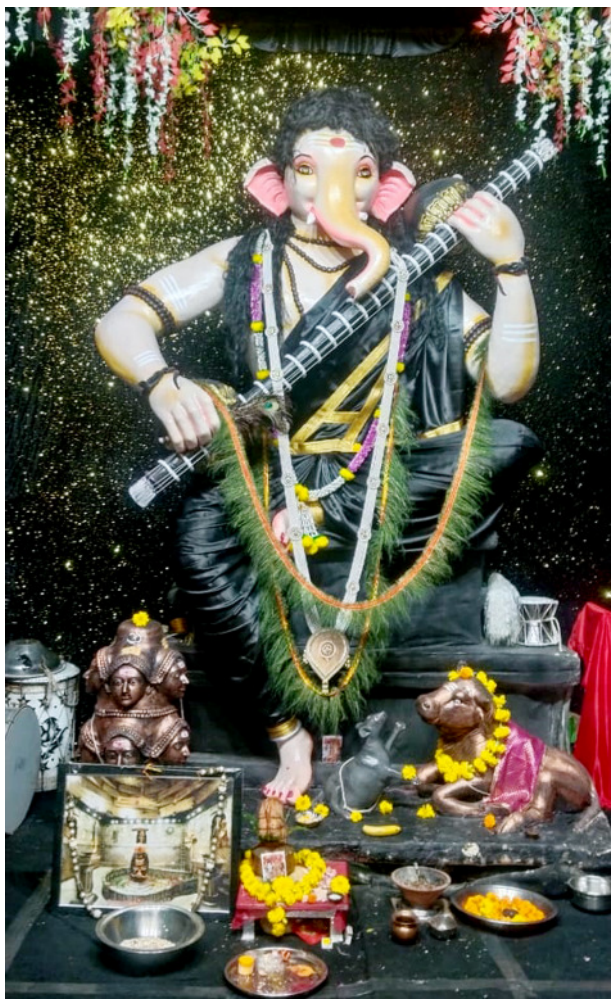

बबलू व्यास मित्र मंडल द्वारा श्री साईं करुणा सागर, कृष्णबाग कॉलोनी में विराजमान वीणा वादक भगवान श्री गणेश की आकर्षक प्रतिमा।

बारिश की चुनौती के बीच झांकियों का निर्माण तेज, निगम ने दस लाख की मदद की

• इंदौर । **निज प्रतिनिधि**

इंदौर में जगह-जगह गणेशोत्सव के आयोजन हो रहे हैं, हालांकि बीच-बीच में हो रही बारिश इसमें बाधा भी बन रही है। इसके बावजूद अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाले पारंपरिक चल समारोह की तैयारियां पुलिस प्रशासन और नगर निगम ने पूरी कर ली हैं। कई साल पहले बंद हो चुकी मिलों के परिसरों में पारंपरिक झांकियों का निर्माण तेजी से चल रहा है। इन झांकियों को तैयार करने में मिलों के पुराने मजदूर सहयोग दे रहे हैं। निगम ने भी मिल समितियों को आर्थिक सहयोग के लिए कुल 10 लाख रुपए के चेक सौंपे हैं।

झांकी मार्ग पर प्रशासन की तैयारियां: अनंत चतुर्दशी पर 10 दिवसीय गणेशोत्सव का समापन झांकियों के साथ होगा। यह चल समारोह डीआरपी लाइन से शुरू होकर भंडारी ब्रिज, श्रम शिविर, चिकमंगलूर, जेल रोड, नॉवेल्टी मार्केट, एमजी रोड, कृष्णपुरा छतरी, गुरुद्वारा, बम्बई बाजार, खजूरी बाजार होते हुए राजवाड़ा तक पहुंचेगा। नगर निगम झांकी मार्ग की मरम्मत में जुटा है। गड्ढों को भरा जा रहा है, जर्जर भवनों पर चेतावनी के बोर्ड लगाए जा रहे हैं और अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं।

कलेक्टर और महापौर ने किया निरीक्षण: तीन दिन पहले कलेक्टर आशीष सिंह ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त शिवम वर्मा और निगम अधिकारियों के साथ झांकी मार्ग का निरीक्षण किया। वहीं महापौर ने पांच प्रमुख मिलों मालवा मिल, हुकुमचंद मिल, स्वदेशी मिल, राजकुमार मिल और कल्याण मिल को 2-2 लाख रुपये के चेक वितरित किए।

झांकियां बनीं इंदौर की सांस्कृतिक पहचान: महापौर भार्गव ने कहा कि अनंत चतुर्दशी की झांकियां इंदौर की सांस्कृतिक पहचान हैं। ये झांकियां न केवल इंदौर बल्कि पूरे देश में अपनी भव्यता और परंपरा के लिए जानी जाती हैं। मिलों द्वारा बनाई जाने वाली झांकियां शहर की ऐतिहासिक धरोहर को जीवंत रखती हैं, इसलिए नगर निगम प्रतिवर्ष उन्हें आर्थिक सहयोग देता है। इस अवसर पर महापौर ने देवी अहिल्या बाई जन्मोत्सव समिति को भी पांच लाख रुपए का चेक सौंपा।

चंद्रगुप्त मौर्य चौराहा पर विराजे श्रीगणेश

• इंदौर । **निज प्रतिनिधि**

पूरे शहर में गणेशोत्सव का उल्लास चरम पर है। इसी कड़ी में एमआर 10 स्थित चंद्रगुप्त मौर्य चौराहे पर विराजे श्रीगणेश इस बार भी भक्तों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। गणपति बप्पा का अलौकिक और मनमोहक विशाल स्वरूप देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। राहगीर भी यहां से गुजरते समय स्वयं को रोक नहीं पाते और राजा के दर्शन करने अवश्य रुक जाते हैं।

भाजपा नेता उमा शंकर तरेटिया द्वारा वर्षों से यहां भव्य गणेश स्थापना की परंपरा निभाई जा रही है। गणेशोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन संध्या को भव्य आरती होती है, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए विशेष इनाम वितरण का आयोजन किया जाता है।

पर्ची प्रणाली के माध्यम से विजेताओं को टीवी, फ्रिज, साइकिल, कूलर, पंखे और हेलमेट जैसे आकर्षक उपहार अतिथियों के हाथों सम्मानपूर्वक प्रदान किए जाते हैं। इसके पश्चात प्रतिदिन विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भोजन प्रसादी का लुत्फ उठाते हैं।

वहीं, प्रतिदिन की तरह श्रद्धालुओं के बीच गूंजते 'जय गणेश' और 'दादा दयालु रमेश मेंदोला जिंदाबाद' के नारों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। लोकप्रिय विधायक रमेश मेंदोला सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्यजन लगातार कार्यक्रम में शिरकत कर रहे हैं।

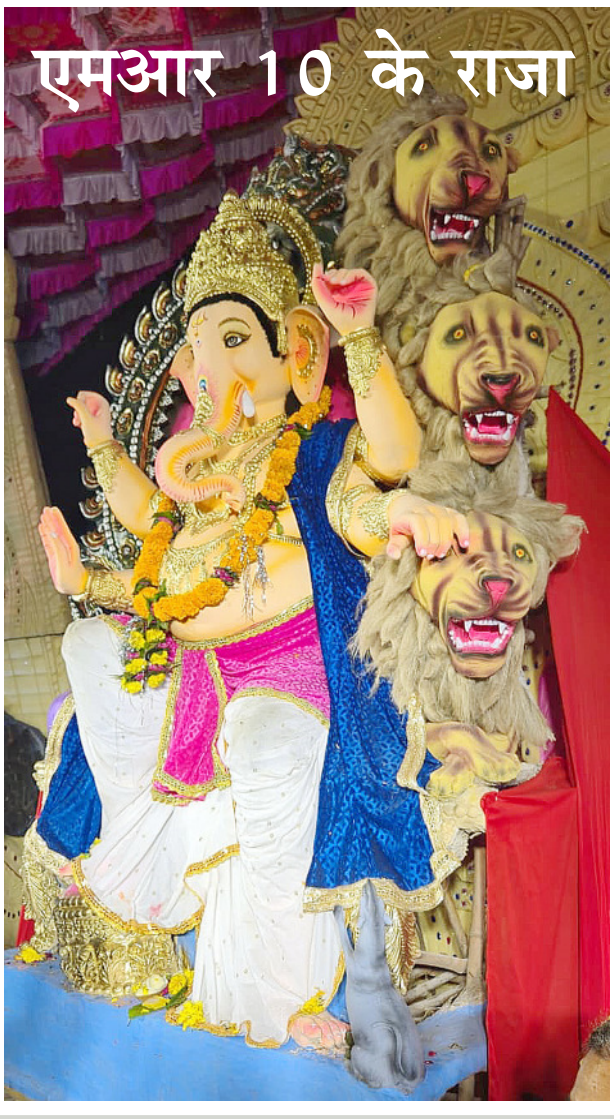

कार्यक्रम की विशेषता यह भी है कि जागरुक नागरिक मंच के बैनर तले राहुल तरेटिया और 20 से अधिक कार्यकर्ता की टीम सक्रिय रहकर यातायात एवं भीड़ प्रबंधन में पुलिस प्रशासन की मदद करते हैं। इससे श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होती। मंच द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं।

भजन गायक लहरी बना की मधुर वाणी में संगीतमय भजनों ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह चौहान ने किया।

भव्य आरती, मधुर भजन, आकर्षक इनाम वितरण और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ एमआर 10 का गणेशोत्सव इस बार भी पूरे इंदौरवासियों के लिए भक्ति, उत्साह और सामाजिक सहयोग का अद्भुत संगम बन गया है।

रातों-रात विजय नगर में कटे पेड़, नागरिकों का फूटा गुस्सा

बोले- 'इंदौर का पर्यावरण खतरे में'

• इंदौर । **निज प्रतिनिधि**

इंदौर में पेड़ों की कटाई अनवरत जारी है। विजयनगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए। शनिवार देर रात काटे गए पेड़ों के तने रविवार सुबह नागरिकों को नजर आए। सुबह जेसीबी से पेड़ों के तने और अन्य हिस्से हटाए गए।

सुबह की सैर पर निकले लोग, जताई नाराजगी

सुबह की सैर पर निकले लोगों ने जब बड़ी संख्या में सड़कों पर कटे हुए पेड़ों को देखा तो वे नाराज हो गए। कई नागरिकों ने विरोध दर्ज करते हुए कहा कि इंदौर में हर जगह लगातार पेड़ों की कटाई की जा रही है। तापमान लगातार बढ़ रहा है और भूमिगत जल भी कम हो रहा है। इन सबके बावजूद जिम्मेदारों को कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है। विजयनगर क्षेत्र में रहने वाले विनोद पाल ने कहा कि लगातार कट रहे पेड़ों की वजह से इंदौर में भीषण गर्मी बढ़ रही है, सावन के महीने में भी पानी नहीं गिर रहा और बसंत का मौसम तो खत्म ही हो गया है। अगर इसी तरह चलता रहा तो इंदौर में जल्द ही पर्यावरण संतुलन बिगड़ जाएगा।

मेट्रो के लिए हजारों पेड़ काटे गए

इंदौर में चल रहे मेट्रो के काम के कारण हजारों की संख्या में पेड़ों की कटाई हुई है। सुपर कारिडोर से बापट, विजय नगर और बंगाली चौराहे तक हजारों पेड़ों को काटा गया है और लगभग पूरा क्षेत्र ही पेड़ विहीन होता जा रहा है। आज मंगल सिटी मॉल के आसपास के क्षेत्र में यह पेड़ काटे गए। बताया जा रहा है कि मेट्रो स्टेशन की तैयारी को लेकर इन पेड़ों को काटा गया है। मेट्रो का काम विजयनगर तक लगभग पूरा हो गया है और उम्मीद की जा रही है कि अगले 6 महीने के अंदर मेट्रो विजयनगर तक चलना शुरू हो जाएगी।

बालकनी से गिरी 20 वर्षीय युवती, 4 घंटे इलाज के बाद दम तोड़ा

• इंदौर । **निज प्रतिनिधि**

इंदौर के तिलक नगर इलाके में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हुआ। 20 वर्षीय छात्रा खुशी बंसल कपड़े सुखाने के लिए दूसरी मंजिल की बालकनी में गई थी, तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गई।

अस्पताल में चार घंटे चली जिंदगी की जंग : गंभीर चोट लगने के बाद परिवारजन उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। करीब चार घंटे तक इलाज चला, लेकिन गंभीर सिर की चोट के चलते खुशी की मौत हो गई।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अनावरण और ऐप किया लांच

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले- यह भारत का समय है

• भोपाल । **नगर प्रतिनिधि**

राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण और ऐप लॉन्च किया। इस घड़ी की खासियत है कि यह सूर्य की गति के साथ चलती है और सूर्योदय से नए दिन की शुरुआत करती है। इस मौके पर शौर्य स्मारक से युवाओं का बाइक व पैदल मार्च निकाला गया, जो मुख्यमंत्री निवास तक पहुंचा। वहां 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी : भारत के समय की पुनर्स्थापना की पहल' विषय पर युवा संवाद हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री ने युवाओं से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह केवल घड़ी नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली परंपरा और वैज्ञानिक दृष्टि का आधुनिक स्वरूप है। वैदिक घड़ी हमारी संस्कृति को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाएगी।

वर्ष की गणना छह ऋतुओं के आधार पर की गई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समय की गणना सूर्योदय से सूर्योदय तक होनी चाहिए, क्योंकि रात 12 बजे दिन बदलने का कोई औचित्य नहीं है। हमारे इतिहास में खगोल विज्ञान को सूर्य की छाया के आधार पर समझा और परिभाषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे व्रत-त्योहार अंग्रेजी कैलेंडर पर नहीं, बल्कि भारतीय पंचांग पर आधारित हैं। वर्ष की गणना भी तिथियों और छह ऋतुओं के आधार पर की गई है। सीएम ने कहा कि ये भारत का समय है...। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी अब मोबाइल ऐप के माध्यम से भी उपलब्ध है। इसे डाउनलोड कर आप अपने फोन पर हर उपयोगी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री निवास के बाहर भी वैदिक घड़ी स्थापित की गई है।

भरतीय पंचांग ऋतुओं और प्रकृति से जुड़ा हुआ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के लोकार्पण एवं युवाओं से संवाद कार्यक्रम में कहा कि काल गणना और वैदिक पद्धति हमारी वैज्ञानिक और सांस्कृतिक धरोहर है। अंग्रेजी तिथियां बदलती रहती हैं, लेकिन भारतीय पंचांग ऋतुओं और प्रकृति से जुड़ा हुआ है। सावन-भाद्रपद की वर्षा, क्वार-कार्तिक की ऋतु चक्र- सभी तिथि आधारित गणना का प्रमाण हैं।

चंद्रमा और समुद्र के ज्वार-भाटा से लेकर मनुष्य के शरीर पर अमावस्या–पूर्णिमा का प्रभाव वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। भारतीय गणना पद्धति में दिन सूर्योदय से सूर्योदय तक माना जाता है, न कि रात 12 बजे से। 30 मुहूर्त, 24 घंटे और समय की संरचना भारतीय काल गणना की अद्वितीय प्रणाली है।

सीएम हाउस मेरा नहीं, प्रदेश की जनता का

सीएम ने कहा कि हमारे यहां विचार व्यक्त करने और सत्य के आधार पर सुधार करने की स्वतंत्रता रही है, यही हमारी संस्कृति की ताकत है। उज्जैन भारत का काल गणना का केंद्र है, जो खगोलीय दृष्टि से प्रमाणित है। पंचांग और वैदिक गणित की सटीकता को दुनिया भी स्वीकार कर रही है, कंप्यूटर जहां असफल हो जाए वहां हमारे ज्योतिषी सही उत्तर दे सकते हैं। मुहूर्त का अर्थ केवल शुभ-अशुभ नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन और प्रकृति के अनुकूल आचरण भी है। सीएम हाउस मेरा नहीं, प्रदेश की 9 करोड़ जनता का है।

वैदिक घड़ी भारत के गौरवशाली इतिहास का प्रतीक

उन्होंने कहा कि राजधानी भोपाल में वैदिक घड़ी लगना, भारत के गौरवशाली इतिहास को वर्तमान और भविष्य से जोड़ने का प्रतीक है। उच्च शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग के इस अच्छे आयोजन की सराहना करता हूं। पहले था समय पश्चिम का, अब पूर्व का समय आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत का मान–सम्मान दुनिया में बढ़ा है। मोदी सरकार ने योग को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया, इसरो में वैज्ञानिकों का हौसला बढ़ाया और कठोर कानूनों व नैतिक राजनीति का मार्ग प्रशस्त किया। विक्रमादित्य का सुशासन और मोदी जी के नेतृत्व में चल रहा सुशासन, दोनों भारत के स्वर्णिम अध्याय हैं। वैदिक घड़ी केवल समय बताने का उपकरण नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, संस्कृति और विज्ञान का जीवंत प्रतीक है।

उज्जैन को माना जाता है कालगणना का केंद्र

उज्जैन को सदियों से कालगणना का केंद्र माना जाता है। यहां से कर्क रेखा गुजरती है और इसे भारत का प्रधान मध्याह्न रेखा (Prime Meridian of India) कहा जाता है। इसी कारण वैदिक घड़ी का शुभारंभ भोपाल से प्रतीकात्मक रूप से किया गया।

वैदिक घड़ी और GMT में अंतर

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

- भारतीय पंचांग और खगोल गणना पर आधारित।
- समय की इकाइयां: 1 दिन = 60 घटिका (1 घटिका = 24 मिनट), 30 मुहूर्त।
- नया दिन हमेशा सूर्योदय से शुरू होगा।
- इसका उद्देश्य जीवनशैली, कृषि और धार्मिक अनुष्ठानों को प्रकृति से जोड़ना है।

ग्रीनविच मीन टाइम (GMT)

- 19वीं सदी में इंग्लैंड से शुरू हुआ।
- औसत सौर समय पर आधारित।
- दिन की शुरुआत आधी रात 12 बजे से होती है।
- दुनिया के लिए एक समान मानक समय तय करने का उद्देश्य।

भोपाल में हुई क्रिएटर्स समिट-2025: मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले-

मध्यप्रदेश में भी दिये जायेंगे स्टेट क्रिएटर्स अवाड्र्स

• भोपाल । **नगर प्रतिनिधि**

भोपाल में क्रिएटर्स समिट-2025 का आयोजन हुआ। रविवार को निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं। सूचनाओं और घटनाओं का प्रसार बड़ी तेजी से होता है। ऐसे दौर में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि आप लोग जो भी कंटेंट वायरल करेंगे, वही समाज तक पहुंचेगा। इसलिए अपने प्रभाव और ताकत का समाजहित में सही दिशा में सदुपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि सभी क्रिएटर्स को

अपने दायित्व को समझते हुए अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल समाज और देश के विकास में करना चाहिए। यही सच्ची समा सेवा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की पहुंच और प्रभाव का उपयोग शासकीय योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में किया जा सकता है। इसीलिए हमारी सरकार प्रदेश में सोशल मीडिया के जरिए पब्लिक नेटवर्किंग को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रिएटर्स से कहा कि वे सरकार के कामों को भी जनता तक पहुंचाये, सरकार क्रिएटर्स को सभी जरूरी मदद और सुविधाएं प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि अब मध्यप्रदेश में स्टेट क्रिएटर्स अवार्ड दिए जायेंगे। इसकी रूपरेखा जल्द ही तैयार की जायेगी।

क्रिएटर्स सिंहस्थ-2028 से जुड़ें : मुख्यमंत्री ने यहां क्रिएटर्स द्वारा आयोजित टाक शो में भी हिस्सा लिया। टॉक शो में मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में सोशल मीडिया से जुड़े क्रिएटर्स को सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। समिट में प्रदेश भर से आए यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल आर्टिस्ट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कंटेंट मॉनेटाइजेशन, ऑडियंस इंगेजमेंट और डिजिटल दुनिया के नए ट्रेंड्स पर गहन चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने 17 प्रकार की अवार्ड कैटेगरी में बेस्ट परफॉर्मर क्रिएटर्स को 'क्रिएटर्स अवाड्र्स' भी प्रदान किए।

क्रिएटर्स ने दुनिया की सोच बदल दी : समिट जनसंपर्क सचिव एवं आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि क्रिएटर्स ने दुनिया की सोच बदल दी है। ये एक नई तरह की आरेन्ज इकानामी है जो अब दुनिया में 6 ट्रिलियन डातर की हो गई है। उन्होंने कहा कि आप अपनी क्रियेटिव सोच के साथ आगे बढ़, सरकार आपके अच्छे काम में आपके साथ है।

पीएम को मां की गाली देने के विरोध में राहुल गांधी की अर्थी निकाली

• भोपाल । **नगर प्रतिनिधि**

बिहार के दरभंगा में कांग्रेस की सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दिए जाने को लेकर भोपाल में भाजपा महिला मोर्चा ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की अर्थी निकालकर उनका पुतला फूंका। बड़ी संख्या में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता लिंक रोड नंबर 1 रेडक्रास स्थित छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा के समक्ष विशाल प्रदर्शन कर विरोध जताया। महिला कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय की ओर मार्च करने लगीं। नारेबाजी के बीच पुलिस ने उन्हें सिद्धांत अस्पताल के पास बैरिकेड लगाकर रोक दिया। इसी बीच अचानक बारिश शुरू हो गई। मौसम बिगड़ने के कारण कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही पुतला तोड़ दिया और कार्यक्रम वहीं समाप्त कर दिया।

मुरैना में भड़के मुख्यमंत्री 'राहुल गांधी को डूब मरना चाहिए'

• मुरैना । **निज प्रतिनिधि**

मुरैनाः मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रविवार को मुरैना के दौरे पर थे. जहां उन्होंने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण किया. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा. सीएम ने नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और राहुल को डूब मरने की बात कह दी. सीएम ने रजोधा में 27 करोड़ की लागत से तैयार सांदीपनी स्कूल का भी उद्घाटन भी किया.

'राहुल गांधी विपक्ष में बैठकर सिर्फ बुराई करते हैं': मुरैना की अंबाह तहसील के कस्बे में उसेत रोड स्थित टेकचंद स्कूल के सामने मोहन यादव ने अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया. इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'अटल बिहारी की यह प्रतिमा उनके व्यक्तित्व की तरह इतनी विराट है कि ऐसा लग रहा है, वे स्वयं ही अपने लघु रूप में हमारे बीच खड़े हैं. अटल जी ने पूरा जीवन भारतीय समाज के लिए जिया और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना की. यही नहीं उन्होंने विपक्ष की भूमिका निभाते हुए भारत-बांग्लादेश युद्ध के समय इंदिरा गांधी की तारीफ की थी. राहुल गांधी को डूब मरना चाहिए जो विपक्ष में बैठकर अपने सिर्फ बुराई करते रहते हैं.'

'हम दुश्मन के घर में बम फोड़ देते हैं': मोहन यादव ने आतंकवाद की बात करते हुए कहा, 'वह जमाना गया, जब पाकिस्तानी आतंकवादी दिल्ली-बम्बई में बम फोड़कर चले जाते थे. आज अगर उन्होंने कश्मीर में भी बम फोड़ा तो हम उनको घर में ही फोड़ देते है. प्रधानमंत्री मोदी गांव-गांव पक्की सड़क बनवाकर अटल जी के सपनों को साकार कर रहे हैं. पीएम मोदी के मजबूत इरादों से देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि जब हमारा देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, तो विदेशी ताकते दीवार बनकर हमारे सामने खड़ी हो गई हैं.'

नीमच में जीतू पटवारी के काफिले पर फेंकी गई स्याही और काले कपड़े, बीजेपी ने फूंका पुतला

• नीमच । **विशेष प्रतिनिधि**

'मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी की सुरक्षा में एक बार फिर चूक हुई है। सोमवार को वह नीमच पहुंचे थे। यहां बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने जीतू पटवारी के काफिले पर स्याही और काले कपड़े फेंके। यह घटना तब हुई जब पटवारी वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली में शामिल होने के लिए नीमच पहुंचे थे। इससे पहले रतलाम में भी पटवारी की सुरक्षा में चूक हुई थी। इधर, कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने पटवारी के सुरक्षा की मांग की है।

नीमच के फोर जीरो चौराहे पर बीजेपी की महिला कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार विरोध किया। इस दौरान जीतू पटवारी का पुतला भी फूंका गया। यह विरोध प्रदर्शन पटवारी के हालिया बयान को लेकर था। जिसमें उन्होंने मध्य प्रदेश की महिलाओं को लेकर एक विवादास्पद टिप्पणी की थी। इस बयान से नाराज बीजेपी की महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने पटवारी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्हें काले झंडे दिखाए और उनके वाहन पर स्याही फेंकी।

जनता में भारी गुस्सा - नीमच विधायक

नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार ने इस विरोध प्रदर्शन को जन आक्रोश का नतीजा बताया है। पटवारी ने महिलाओं का अपमान किया है, जिसके कारण जनता में भारी गुस्सा है और यह विरोध उसी गुस्से की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि पटवारी को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस कर रही सुरक्षा की मांग

इधर, कांग्रेस की ओर से जीतू पटवारी की सुरक्षा को लेकर मांग उठाई गई है। पूर्व कानून मंत्री और कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने कहा कि जीतू पटवारी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं, उनकी सुरक्षा में कोई चूक नहीं होनी चाहिए। पीसी शर्मा ने कहा कि पार्टी के नेताओं की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और हर नागरिक को सुरक्षा मिलनी चाहिए।

रतलाम में हुआ था हमला

दरअसल, रविवार को जीतू पटवारी रतलाम जिले के दौरे पर थे, जहां उन्होंने एक रैली को संबोधित किया। रैली के बाद जब वह रतलाम से लौट रहे थे, तो मांगरोल फाटे के पास उनकी कार पर हमलावरों ने हमला कर दिया। अज्ञात हमलावरों ने उनकी गाड़ी के कांच तोड़ दिए। हालांकि, इस हमले में पटवारी को कोई चोट नहीं आई, लेकिन घटना के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

बीजेपी मंडल अध्यक्ष पर हमला करवाने का आरोप

जीतू पटवारी ने हमले के पीछे बीजेपी के मंडल अध्यक्ष का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मंडल अध्यक्ष ने करीब 40 लोगों को लेकर उनकी गाड़ी पर हमला करवाया और कांच तोड़ दिए। घटना के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्टेशन रोड थाना में शिकायत दर्ज कराई। इस हमले के बाद से पटवारी और उनकी सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पटवारी के शराब वाले बयान पर सियासी विवाद

कुछ समय पहले जीतू पटवारी ने एक विवादित बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि मध्य प्रदेश में देशभर की महिलाओं द्वारा सबसे ज्यादा शराब पी जाती है। पटवारी का यह बयान विवादों में घिर गया था और बीजेपी ने इसे लाडली बहनों का अपमान बताया। इसके अलावा राज्य के कई जिलों में प्रदर्शन भी हुए थे। इस बयान ने प्रदेश में एक सियासी घमासान मचा दिया था।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की सुरक्षा पर सवाल

मध्य प्रदेश के राजनीतिक माहौल में सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने कहा कि जब तक किसी पार्टी के नेता की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती, तब तक यह सवाल उठते रहेंगे। उनका मानना है कि पार्टी के प्रमुख नेताओं की सुरक्षा बढ़ाने और उनके साथ होने वाली घटनाओं पर नजर रखना सरकार की जिम्मेदारी बनती है।

सरकार ने पूरे मामले पर रखा अपना पक्ष

इस पूरे घटनाक्रम पर प्रदेश सरकार की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने लगातार यह मांग उठाई है कि जीतू पटवारी और अन्य पार्टी नेताओं की सुरक्षा को और अधिक मजबूत किया जाए।

आपसी सहमति से घोषित हो जाएगी एमपीसीए की कार्यकारिणी, महाआर्यमन होंगे अध्यक्ष

• भोपाल । **नगर प्रतिनिधि**

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी छह साल बाद बदलने जा रही है। इस बार सभी नए चेहर अलग-अगल पद संभालेंगे। पहली बार एमपीसीए अध्यक्ष पद पर सबसे कम उम्र के महाआर्यमन सिंधिया पद संभालेंगे। उनकी उम्र 29 साल है। उन्होंने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन फार्म दाखिल किया। उन्हे इस पद पर अन्य किसी सदस्य ने चुनौती नहीं दी। वे सिंधिया परिवार की तीसरी पीढ़ी के रुप में इस पद की कमान संभालेंगे। वे वर्ष 2022 से ग्वालियर संभागीय क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भी है। 2 सितंबर को एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा में कार्यकारिणी के नामों की घोषणा हो जाएगी। महाआर्यमन के अलावा कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर विनीत सेठिया,सचिव सुधीर असनानी, कोषाध्यक्ष संजय दुआ भी लगभग तय है। कार्यकारिणी सदस्य में राजीव रिसोडकर, प्रसुन कनमड़ीकरण, विजेस राणा व संध्या अग्रवाल के नाम भी तय हैं। कोषाध्यक्ष बनने वाले संजय दुआ के पिता नरेंद्र दुआ और भाई एमपीसीए के सदस्य हैं। उपाध्यक्ष के पद पर काबिज होने वाले विनित सेठिया के पिता महेंद्र सेठिया भी एमपीसीए के सदस्य रहे हैं।

एमपीसीए की नई कार्यकारिणी घोषित होने के बाद इंदौर के होलकर स्टेडियम में महिला वर्ल्ड कप के छह से ज्यादा मैच होंगे। पिछली कार्यकारिणी के दौरान भी इंदौर स्टेडियम को आईपीएल मैच मिले, लेकिन टिकट और प्रॉपर्टी टैक्स को लेकर एसोसिएशन के नगर निगम अफसरों से विवाद भी हुए।

पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही

गांव के गांव बर्बाद, कम से कम 800 लोगों की मौत, 2500 घायल

पूर्वी अफगानिस्तान में आए एक शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई। अब तक 2,500 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। रविवार देर रात 6.0 तीव्रता का भूकंप पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के पास कुनार प्रांत के कई कस्बों में आया, जिससे भारी नुकसान हुआ। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था। इसकी गहराई महज 8 किलोमीटर थी। कम तीव्रता वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बाद भी इलाके में कई झटके आए। सोशल मीडिया और समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो फुटेज में बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से स्ट्रेचर पर उठाकर हेलीकॉप्टरों में ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि कई लोग अपने हाथों से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मृतकों की संख्या बढ़कर 800 हो गई है। 2,500 लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं।

'लगभग पूरा गांव ही तबाह हो गया'

कुनार के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक नूरगल जिले के एक निवासी ने बताया कि लगभग पूरा गांव ही तबाह हो गया है। बच्चे मलबे के नीचे हैं। बुजुर्ग मलबे के नीचे हैं। युवा मलबे के नीचे हैं। हमें मदद की जरूरत है। हमें लोगों की जरूरत है, जो यहां आकर हमारी मदद करें। आइए हम दबे हुए लोगों को बाहर निकालें। कोई भी ऐसा नहीं है, जो आकर मलबे के नीचे से शवों को निकाल सके।

'आंखों के सामने घर ढहते और लोगों को मदद के लिए चीखते हुए देखा'

पूर्वी अफगानिस्तान पहाड़ी इलाका है। यह दूरदराज के इलाकों में फैला है। भूकंप के कारण संचार व्यवस्था बिगड़ गई है। एक जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी आंखों के सामने घर ढहते और लोगों को मदद के लिए चीखते हुए देखा। नर्गल के माजा दारा इलाके में रहने वाले सादिकुल्लाह ने बताया कि उसकी नींद एक तेज धमाके से खुली, जो किसी बड़े तूफान के आने जैसा लग रहा था। वह दौड़कर अपने बच्चों के पास गया और उनमें से तीन को बचा पाया। वह अपने परिवार के बाकी सदस्यों को लेने के लिए वापस लौटने ही वाला था कि कमरा उसके ऊपर गिर गया।

हताहतों की संख्या में बढ़ोतरी की आशंका

स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने बताया कि बचाव अभियान जारी है। कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल इलाके में पहुंच गए हैं। जमान ने कहा कि कई इलाकों से हताहतों की संख्या की सूचना नहीं मिल पाई है। मौतों और घायलों की सूचना मिलने पर संख्या में बढ़ोतरी की आशंका है। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा, 'जान बचाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल किया जाएगा।'

जलालाबाद एक चहल-पहल वाला व्यापारिक शहर

पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ अपनी निकटता और दोनों देशों के बीच एक प्रमुख सीमा पार होने के कारण जलालाबाद एक चहल-पहल वाला व्यापारिक शहर है। नगरपालिका के अनुसार इसकी आबादी लगभग 3,00,000 है, लेकिन इसका महानगरीय क्षेत्र कहीं अधिक बड़ा माना जाता है। इसकी अधिकांश इमारतें कम ऊंचाई वाली हैं, जो ज्यादातर कंक्रीट और ईंटों से बनी हैं। इसके बाहरी इलाकों में मिट्टी की ईंटों और लकड़ी से बने घर हैं। कई घरों की गुणवत्ता घटिया है।

7 अक्तूबर को 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था

इससे पहले 7 अक्तूबर, 2023 को अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद तेज झटके भी आए। तालिबान सरकार का अनुमान था कि इस दौरान कम से कम 4,000 लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र ने मृतकों की संख्या काफी कम लगभग 1,500 बताई थी। यह हाल के दिनों में अफगानिस्तान में आई सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा थी।

कूटनीति में नेशन फर्स्ट

भारत-चीन के बीच SCO में बैठक... अमेरिका की दादागिरी को जवाब है

• नई दिल्ली । एजेंसी

चीन के तियानजिन में शंघाई शिखर सम्मेलन 2025 संपन्न हो गया। बैठक में चीन, रूस और भारत ने जिस तरह से एकजुटता दिखाई उससे पूरी दुनिया में एक संदेश गया है। हालांकि, एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर चीन और भारत के बीच बैठक को लेकर भी खूब चर्चा हो रही है। इस चर्चा की वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद भारत की पड़ोसी देश ड्रैगन के साथ करीबी।

भारत ने अमेरिकी टैरिफ के बीच चीन के बातचीत को बढ़ाकर कूटनीति रूप से अहम कदम उठाया है। भारत ने इसके जरिये ही अमेरिका समेत दुनिया को फिर से संदेश दिया है कि वैश्विक राजनीति में नेशन फर्स्ट काफी अहम है। खास बात रही है कि भारत एससीओ में पहलगाम आतंकी हमले को शामिल कराने में सफल रहा। इसके साथ ही भारत ने जिस तरह से चीन के साथ करीबी बढ़ाते हुए रूस के साथ अपने संबंधों को लेकर प्रतिबद्धता व्यक्त की है वह स्पष्ट रूप से अमेरिका की टैरिफ वाली दादागिरी को जवाब है।

कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मीटिंग

पीएम मोदी ने चीन के शहर तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मीटिंग की। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि दोनों पक्षों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर सहमति जताई। यह मीटिंग कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रहीं क्योंकि यह वैश्विक तनावों के बीच बहुपक्षीय सहयोग का एक प्रमुख एससीओ शिखर सम्मेलन में हुई।

भारत-चीन रिश्तों का सबसे संवेदनशील पहलू सीमा विवाद है। गलवान घाटी की झड़प और लद्दाख क्षेत्र में तनाव ने दोनों देशों के संबंधों में गहरा अविश्वास पैदा किया है। ऐसे में भारत का स्पष्ट रुख यह है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना रिश्तों में सामान्यता संभव नहीं। अतीत के कड़वे अनुभवों (2020 के गलवान संघर्ष और सीमा विवाद) के बावजूद भारत ने एसीओ सम्मेलन में जाने का फैसला किया। भारत की तरफ से यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि अगस्त 2025 में दोनों देशों के बीच एलएससी पर सकारात्मक बातचीत एक दुर्लभ कूटनीतिक सफलता मिली थी, जो द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति लाई।

सुरक्षा, कनेक्टिविटी का प्लेटफॉर्म

भारत की भागीदारी का मुख्य कारण एससीओ को सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर के मंच के रूप में देखना है। यहां आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों को अस्वीकार करते हुए (जो पाकिस्तान की ओर इशारा करता है) क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा दिया गया। खास बात है कि भारत अमेरिका ने जिस तरह से भारत पर टैरिफ लगाए हैं उसके बाद भारत और चीन ने कजान के बाद हुई प्रगति को आगे बढ़ाने का फैसला किया। कजान मुलाकात के बाद तियानजिन मीटिंग में बाद भारत-चीन संबंधों में सकारात्मक प्रगति की समीक्षा की। दोनों देशों ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर सहमति जताई। इसके साथ ही पारस्परिक सम्मान, हित और संवेदनशीलता के आधार पर सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पहलगाम पर बड़ी कूटनीतिक सफलता

सम्मेलन के अंतिम दिन भारत ने एससीओ शिखर सम्मेलन में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की। बैठक खत्म होने के बाद शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों ने घोषणापत्र जारी किया। खास बात रही कि इस घोषणा पत्र में भारत के जम्मू-कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई। भारत के लिए यह बड़ी बात रही कि जिस मंच पर रूस और चीन जैसे दिग्गज देश के राष्ट्राध्यक्ष मौजूद थे, वहां पाकिस्तान के सामने ही पहलगाम हमले की निंदा हुई। इसके साथ ही आतंक के खिलाफ लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया। एण्ध के सभी सदस्य देशों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। साथ ही यह भी कहा गया कि इस तरह के आतंकी हमलों के दोषियों और मदद करने वालों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

भारत के लिए नेशन फर्स्ट और चीन का साथ

ट्रंप के टैरिफ जैसे वैश्विक दबावों में भारत को चीन और रूस जैसे साझेदारों के साथ मजबूत संबंधों की जरूरत है। इन देशों के जरिये ही भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रख सकता है। साथ ही सीमा क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने की दिशा में कदम आगे बढ़ा सकता है। भारत अंतरराष्ट्रीय सहयोग का पक्षधर है।

संपादकीय

राइट ट्रैक पर रिश्ते

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन शिखर बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को हुई द्विपक्षीय बातचीत पर अगर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं तो यह बेवजह नहीं था। इस सौहार्दपूर्ण बातचीत ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ते सामंजस्य की प्रक्रिया को मजबूती दी है बल्कि कई तरह की अनिश्चितताओं के बीच ग्लोबल इकॉनमी के लिए भी नई संभावनाएं पैदा की हैं।

अहम मुलाकात: 2020 में हुई गलवान घाटी की झड़प के बाद यह पीएम मोदी का पहला चीन दौरा है। जाहिर है, दोनों देशों के रिश्तों के मद्देनजर यह सवाल महत्वपूर्ण था कि इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमति कितनी दूर तक जाती है। लेकिन इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं से जो असामान्य हालात पैदा हुए हैं, उसने दोनों नेताओं की बातचीत की अहमियत को और बढ़ा दिया।

सामरिक स्वायत्तता: ऐसे माहौल में हुई मोदी और शी की इस बातचीत ने कई स्तरों पर पॉजिटिव संकेत दिए हैं। खासकर पीएम मोदी का यह कहना अर्थपूर्ण है कि भारत और चीन दोनों ही देश सामरिक स्वायत्तता रखते हैं और इनके आपसी रिश्तों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। ध्यान रहे, ट्रंप ने भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, उसके लिए एक तीसरे देश रूस के साथ भारत के रिश्तों को ही आधार बनाया गया है। इस बयान के जरिए पीएम मोदी ने यह परोक्ष संकेत दिया है कि सामरिक स्वायत्तता का सम्मान करते हुए ही द्विपक्षीय रिश्ते फल-फूल सकते हैं।

क्रमिक सुधार: इन सबके बावजूद यह मानना गलत होगा कि अमेरिका से टैरिफ के सवाल पर तनाव बढ़ने के कारण भारत और चीन करीब आ रहे हैं। सच यही है कि गलवान झड़प के रूप में आई एक बड़ी अड़चन के बाद भी दोनों देशों ने बातचीत के जरिए गलतफहमियां और मतभेद दूर करने की कोशिश नहीं छोड़ी। इस निरंतर प्रयास का ही नतीजा है कि धीरे-धीरे मतभेद कम होते रहे और पिछले साल सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के डिसइंगेजमेंट को लेकर भी सहमति बन गई। रविवार की बैठक में दोनों नेताओं ने इस पर संतोष जाहिर किया कि पिछले साल कजान में हुई शिखर बैठक के बाद से रिश्तों में लगातार सुधार जारी रहा।

हाथी और ड्रैगन का नृत्य: यह शुभ संकेत है कि अब हाथी और ड्रैगन के साथ आने की संभावना रेखांकित की जाने लगी है। लेकिन उसके लिए अभी दोनों देशों को लंबी दूरी तय करनी होगी, बहुत सारे मतभेद और विवाद दूर करने होंगे। इसका अंदाजा दोनों पक्षों को है। तभी बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि मतभेद झगड़े में तब्दील नहीं होने चाहिए।

इंदौर इंटरनैशनल कॉलेज के लॉ कोर्सेज़ का दीक्षारंभ संपन्न

• इंदौर । **निज प्रतिनिधि**

इंदौर इंटरनेशनल कॉलेज में कानून पाठ्यक्रमों के लिए उद्घाटन समारोह, कॉलेज के सॉल्सिंदा परिसर में आयोजित किया गया, शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित अतिथियों, जैसे कि पद्मश्री भालचंद्र दत्तात्रेय मोंढे, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अविनाश सिर्पुरकर और श्री एलबार जाधव ने भाग लिया, जो समकालीन समाज में कानूनी शिक्षा के महत्व को दर्शाते हैं। अतिथियों का स्वागत संस्था के संस्थापक डॉ. अक्षय तिवारी, समूह निदेशक डॉ. पुनीत द्विवेदी एवं प्राचार्य डॉ. प्रीति दरक ने किया।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संस्थान के समूह निदेशक डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी ने बताया कि क़ानून के क्षेत्र में उत्कृष्ट शिक्षा हेतु आई.आई.सी कॉलेज ऑफ लॉ महती भूमिका निभा रहा है। दीक्षारंभ समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों को कोर्स के बारे में जानकारी देना एवं वर्तमान परिदृश्य में क़ानून का पढ़ाई के महत्व को समझाना है जिससे कानूनी दिमागों को विकसित करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया जा सके, और विद्यार्थी कानूनी परिदृश्य की जटिलताओं का सामना करने के लिए तैयार हों। समूह निदेशक डॉ. द्विवेदी ने बताया कि ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों की उपस्थिति न केवल छात्रों को प्रेरित करती है, बल्कि क़ानून की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिये कानूनी प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लाने के लिये कॉलेज की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अविनाश सिरपुरकर ने अपने उद्बोधन में कहा जैसे ही भविष्य के अधिवक्ता अपनी शैक्षणिक यात्राओं की शुरुआत करते हैं, यह समारोह न्याय की स्थापना और सामाजिक प्रगति में उनके द्वारा निभाई जाने वाली आवश्यक भूमिका की याद दिलाता है। इस कार्यक्रम ने कानून शिक्षा में नवाचार के सार को समाहित किया, जो छात्रों को विकसित होती कानूनी परिधि में शैक्षणिक और पेशेवर रूप से सफल बनने के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करता है। ऐसे प्रयासों के माध्यम से, इंदौर इंटरनेशनल कॉलेज अगली पीढ़ी के कानूनी नेताओं का आकार देने के लिए तैयार है। पद्मश्री भालू मोंढे जी ने विद्यार्थियों को प्रकृति से प्रेम करने एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं सजगता का पाठ पढ़ाया। पद्मश्री मोंढे ने कहा कि सभी को जंगल, नदी, तालाब, मिट्टी, हवा की चिंता करनी होगी। पर्यावरण संरक्षण से हम सब सुरक्षित रहेंगे और आगे का भविष्य भी। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री एलबार जाधव जी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये उन्हें जीवन जीने की कला और कुशलता के कई गुर सिखाये। कार्यक्रम में डॉ. अक्षय तिवारी जी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ, सीमा तिवारी, एड.अक्षांशु तिवारी, डॉ. आराधना माईकल, श्री कुलदीप तिवारी, डॉ. प्रीति दरक, डॉ. नेहा शर्मा चौधरी, डॉ. राजेश वर्मा, डॉ. अतुल लाडना, स्वप्निल तिवारी, जैस्मिन, मोनाली, सुजाता, वर्षा एवं अनु आदि उपस्थित रहे।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने की अपील

सफेद बाल वाले फूफा ट्रंप को झुकाने के लिए अमेरिकी ब्रांड का बहिष्कार जरूरी

• इंदौर । **निज प्रतिनिधि**

भारत के खिलाफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के खिलाफ अब भाजपा नेताओं ने ट्रंप के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. इसकी शुरुआत मध्य प्रदेश से हुई है जहां भाजपा नेता और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने डोनाल्ड ट्रंप को सफेद बाल वाला फूफा बताते हुए देश के युवाओं से अमेरिकी ब्रांड मैकडॉनल्ड के अलावा पिज्जा बर्गर बनाने वाली अमेरिकी कंपनियों के बहिष्कार का आह्वान किया है.

'युवा सिखा सकते हैं अमेरिका को सबक'

इंदौर के एक निजी स्कूल में शुक्रवार को आयोजित युवा संसद समारोह में सैकड़ों युवाओं के बीच मंत्री कैलाश विजवर्गीय ने कहा कि 'आजकल यदि हमें कुछ खाना पीना हो तो हम मैकडॉनल्ड में बैठकर अच्छा महसूस करते हैं लेकिन वह फूफा ट्रंप टैरिफ लगाकर हमको धमकाने की कोशिश कर रहा है. भारत में जितनी आबादी युवाओं की है उतनी ही आबादी पूरे अमेरिका की है. यदि युवा सोच ले कि अमेरिका को सबक सीखना है तो अपने शौक मैं बदलाव करना पड़ेगा, अपनी लाईकिंग को बदलना होगा. इस देश के युवा अमेरिका को सबक सिखा सकते हैं.'

देसी पिज्जा खाने की अपील

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि 'हम पिज्जा-बर्गर की जगह इंदौर के राऊ के बड़े समोसे खाएंगे, पोहा खाएंगे. हम स्टारबक्स में क्यों जाएं, हम प्रफुल्ल भाई की चाय क्यों नहीं पिएं, यही हमारे स्टेटस सिंबल है. अब हमने तय कर लिया कि अमेरिका को सबक सिखाना है तो सफेद बाल वाले फूफा ट्रंप को झुका सकते हैं और भारत की महा विजय हो सकती है.'

कैलाश विजयवर्गीय ने युवाओं से मुखातिब होकर कहा 'सभी युवा अब अमेरिका के पिज्जा को छोड़कर इंदौर वाला देसी पिज्जा खाओ.

पिज्जा हट छोड़ो क्योंकि हम स्वावलंबी बनकर ट्रंप को झुका सकते हैं. यदि हम हमारे खानपान, वेशभूषा, धर्म ग्रंथ और मिट्टी से प्यार करना सीख गए तो पूरी दुनिया को झुका सकते हैं. हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना होगा और इसलिए हमें विदेशियों के पैरों पर खड़े होकर चांद नहीं छूना है. अपनी जमीन और अपनी लंबाई को बढ़ाएंगे और चांद को छुएंगे यह संकल्प लेना होगा.'

कैलाश विजयवर्गीय ने ट्विटर पर लिखा कि 'आजादी के अमृतकाल का यह स्वर्णिम दौर हमें स्पष्ट संदेश देता है कि भारत की आत्मनिर्भरता की नींव हमारे युवा रचेंगे.

क्यों मनाई जाती है तेजा दशमी

संतोष सिंह
कार्यकारी संपादक

तेजादशमी की बात करें तो इस पर्व में भाद्रपद शुक्ल नवमी की पूरी रात रातीजगा किया जाता है. इसके बाद दूसरे दिन यानी दशमी तिथि को जिन-जिन स्थानों पर वीर तेजाजी के मंदिर हैं, वहां मेले लगाने की परंपरा है.

भारत के कई इलाकों में भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन एक त्योहार मनाने का चलन है. जी हां, बात हो रही है तेजादशमी पर्व की जिससे मनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. यह पर्व श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक बताया जाता है.

तेजादशमी की बात करें तो इस पर्व में भाद्रपद शुक्ल नवमी की पूरी रात रातीजगा किया जाता है. इसके बाद दूसरे दिन यानी दशमी तिथि को जिन-जिन स्थानों पर वीर तेजाजी के मंदिर हैं, वहां मेले लगाने की परंपरा है. इस दिन मेले और तेजा जी महाराज की सवारी के रूप में जगह-जगह शोभायात्राएं निकालते लोग नजर आते हैं. दंतकथाओं और मान्यताओं के साथ-साथ यदि इतिहास पर नजर डालें तो वीर तेजाजी का जन्म विक्रम संवत 1130 माघ शुक्ल चतुर्दशी (गुरुवार 29 जनवरी 1074) के दिन खरनाल में हुआ था. नागौर जिले के खरनाल के प्रमुख कुंवर ताहड़जी के वे बेटे थे. माता का नाम राम कंवर था. दंतकथाओं में अब तक जो जानकारी दर्ज थी उसके अनुसार तेजाजी का जन्म माघ सुदी चतुर्दशी को 1130 में हुआ था जबकि ऐसा नहीं है. तेजाजी का जन्म विक्रम संवत 1243 के माघ सुदी चौदस को हुआ था.

वहीं दंतकथाओं में तेजाजी की वीर गति का साल 1160 दर्ज है. जबकि सच्चाई इसके दलट है. तेजाजी को 1292 में वीर गति अजमेर के पनेर के पास सुरसुरा में प्राप्त हुई थी. हालांकि तिथि भादवा की दशम ही है. ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव की उपासना और नाग देवता की कृपा से ही वीर तेजाजी जन्मे थे. जाट घराने में जन्मे तेजाजी को जाति व्यवस्था का विरोधी भी बताया जाता है. बताया जाता है कि वीर तेजाजी का विवाह उनके बचपन में ही हो गया था. पनेर गांव की रायमलजी की बेटी पेमल से उनकी शादी हुई थी. पेमल के मामा इस रिश्ते के खिलाफ थे. उन्होंने ईर्ष्या में तेजा के पिता ताहड़जी पर हमला कर दिया. ताहड़जी को बचाव के लिए तलवार चलानी पड़ी, जिससे पेमल के मामा की मौत हो गई. इस बात से पेमल की मां आहत थी. इस रिश्ते की बात तेजाजी से छिपा ली गई.

बहुत बाद में तेजाजी को अपनी पत्नी के बारे में पता चला तो वह अपनी पत्नी को लेने ससुराल गए. वहां ससुराल में उनकी अवज्ञा की गई जिससे वे नाराज हो गये. जब तेजाजी लौटने लगे तब पेमल की सहेली लाछा गूजरी के यहां वह अपनी पत्नी से मिले, लेकिन उसी रात मीणा लुटेरे लाछा की गाएं चुरा ले गए. वीर तेजाजी गाएं छुड़ाने का प्रयास करने लगे. रास्ते में आग में जलता सांप मिला जिसे तेजाजी ने बचाया, लेकिन सांप अपना जोड़ा बिछड़ने से दुखी था. उसने डंसने के लिए फुंफकार लगाई. वीर तेजाजी ने वचन दिया कि पहले मैं लाछा की गाएं छुड़ा लाऊं फिर मुझे डंस लेना. मीणा लुटेरों से युद्ध में तेजाजी गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलावस्था में भी वह सांप के बिल के पास आये.

ऐसा माना जाता है कि पूरा शरीर घायल होने के कारण तेजाजी ने अपनी जीभ पर डंसवाया. भाद्रपद शुक्ल (10) दशमी संवत् 1160 (28 अगस्त 1103) को उनका निर्वाण हो गया. यह देख पेमल सती हो गई. इसी के बाद से राजस्थान के लोकरंग में तेजाजी की मान्यता की बात कही गई है. गायों की रक्षा के कारण उन्हें ग्राम देवता के रूप में लोग पूजते हैं. नाग ने भी उन्हें वरदान दिया था. उस दिन से तेजादशमी पर्व मनाने की परंपरा लोगों ने अपनाई.

दंत कथाओं पर गौर करें तो इसमें तेजाजी के चार से पांच भाई का जिक्र मिलता है. जबकि वंशावली के अनुसार तेजाजी तेहड़जी के एक ही पुत्र थे तथा तीन पुत्रियां कल्याणी, बुंगरी व राजल थी. तेजाजी के पिता तेहड़जी के कहड़जी, कल्याणजी, देवसी, दोसोजी चार भाई थे. जिनमें देवसी की संतानों से आगे धोलिया गौत्र की बात कही गई है. धोलिया वंश की उत्पति खरनाल से ही हुई थी. इसके बाद वि.सं. 1650 में कुछ लोग गांव छोड़कर दूसरी जगहों पर जाकर बस गए जिससे राज्य भर में धोलिया जाति फैलती चली गई.

औषधिय गुणों का भंडार है बप्पा पर चढ़ाए जाने वाला दूर्वा

जा-पाठ में दूर्वा घास की बहुत ही अहमियत होती है। खासतौर पर भगवान गणेश की पूजा दूर्वा घास के बिना अधूरी मानी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं, इस घास में कई सारे औषधीय गुण हैं, जो शरीर को छोटी से लेकर बड़ी कई बीमारियों से छुटकारा दिला सकता है। दूब घास की ऊंचाई लगभग 6 से 7 इंच तक होती है। बहुत पतली होने के साथ यह घास जमीन पर फैलकर बढ़ती है। इस घास में प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर, पोटैशियम, और कार्बोहाइड्रेट से लेकर एंटी-वायरल, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी, और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। चलिए बताते हैं आपको किन बीमारियों में आप इसे औषधीय के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं-

इन बीमारियों में फायदेमंद दूर्वा

नकसीर फूटना, डाइजेशन प्रॉब्लम, हाई ब्लड प्रेशर, स्किन प्रॉब्लम, मोटापा, एनीमिया, पथरी, आंखों की कमजोरी, मेंटल हेल्थ, मलेरिया, बवासीर, मिर्गी, सेक्सुअल प्रॉब्लम, मुंह के छाले, यूरीनल ट्रैक्ट इंफेक्शन

ऐसे करें दूर्वा का सेवन

दूर्वा घास का सेवन सुबह खाली पेट करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसे आप सुखाकर पाउडर बना सकते हैं और दूध के साथ रोज एक चम्मच इसका सेवन कर सकते हैं। या फिर इसका जूस निकालकर पी सकते हैं।

इस बात का ध्यान रखें

ज्यादा मात्रा में दूर्वा घास के सेवन से त्वचा में जलन, खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए हमेशा इसके सेवन से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर करें। ●

कब है डोल ग्यारस?

साल में कई एकादशी पड़ती हैं उन्हीं में से एक है डोल ग्यारस, जो भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ती है जिसे जलझूलनी एकादशी और परिवर्तिनी एकादशी भी कहते हैं। यह एकादशी इस लिए भी खास है क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु करवट लेते हैं। माना जाता है कि इस एकादशी को करने से बहुत ही पुण्य फल मिलता है। यह एकादशी कृष्ण जन्म अष्टमी के बाद पड़ती हैं। चलिए जानते हैं 2025 में कब है डोल ग्यारस यानी परिवर्तिनी एकादशी।

डोल ग्यारस की तिथि

इस बार डोल ग्यारस (परिवर्तिनी एकादशी)3 सितंबर को है। पंचांग के अनुसार डोल ग्यारस 3 सितंबर को 4.53 से प्रारंभ होगी जो दूसरें दिन 4 सितंबर की सुबह 4 बजे तक रहेगी।

डोल ग्यारस का महत्व

साल में पड़ने वाली हर एकादशी का अपना अलग महत्व हैं माना जाता है डोल ग्यारस करने से हर तरह के दुख दूर होते हैं। इस दिन भगवान विष्णु ने करवट बदली थी और भगवान कृष्ण के जन्म के 16 दिन बाद मां यशोदा ने जलवा पूजन किया था। इस लिए भी इस एकादाशी का महत्व बढ़ जाता है डोल ग्यारस करने से हर प्रकार के दुख दूर हो जाते हैं। इस दिन भगवान विष्णु और कृष्ण की प्रतिमाओं को पालकी विमान में बैठाकर नगर भ्रमण कराया जाता है।

पॉजिटिव एनर्जी के लिए

स्वास्तिक का धार्मिक चिन्ह

हर कोई चाहता है कि उसके घर में सुख शांति बनी रहे। इसके लिए कई तरह के वास्तु उपायों को अपनाया जाता है। जैसे घर में नमक के पानी से पोछा लगाने से घर की निगेटिविटी दूर होती है। आप अपने घर में सकारात्मकता लाने वाले कुछ धार्मिक प्रतीक चिह्न जरूर रखें। ये प्रतीक चिह्न न सिर्फ आपके घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखेंगे, बल्कि लगातार सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी बनाए रखेंगे। आइए जानते हैं आप किन चीजों को घर में लगा सकते हैं।

स्वास्तिक का चिह्न

स्वास्तिक को हमेशा शुभ शुरुआत और सफलता का प्रतीक माना गया है। पहले के समय में हर शुभ कार्य से पहले घरों के दरवाजों पर स्वास्तिक का चिह्न बनाया जाता था। आज भी पूजा पाठ से पहले स्वास्तिक का चिह्न बनाया जाता है। घर के मुख्य द्वार पर इसे लगाने से वास्तु दोष दूर होता है और पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है।

ॐ का चिह्न रखना

'ॐ' को ब्रह्मांड की मूल ध्वनि माना जाता है, जो सृष्टि के प्रारंभ से है और हमेशा रहेगी। यह तीन अक्षर अ, ओ और म से मिलकर बनी है, जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। ॐ का जाप, ध्यान और श्रवण आध्यात्मिक विकास और शांति के लिए किया जाता है। 'ॐ' इसका चित्र या शोपीस घर में लगाने से आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ती है।

त्रिशूल का चिह्न

त्रिशूल के तीन शूल दैविक, दैहिक और मानसिक कष्टों को दूर करते हैं। वास्तु शास्त्र में इसे शुभ प्रतीक माना जाता है। घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने और नकारात्मक शक्तियों को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसे घर के मुख्य द्वार पर या मंदिर में रखना शुभ माना जाता है। ●

दुर्लभ कश्यप की जगह ले रहा था सलमान लाला

एक झटके में सबकुछ खत्म

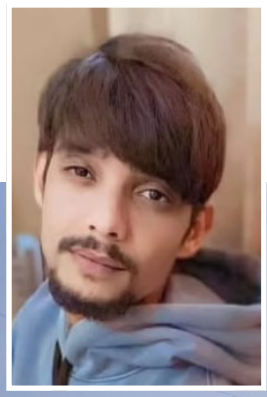

• इंदौर । निज प्रतिनिधि

इंदौर के कुख्यात गैंगस्टर सलमान लाला की छवि दुर्लभ कश्यप की तरह बन गई थी। उसके पास गुंडों की फौज थी और सोशल मीडिया के माध्यम से उसने युवाओं में अच्छी खासी पकड़ बना ली थी। वह मारपीट और अन्य अपराधों के वीडियो सोशल मीडिया पर डालता था और डर फैलाने का काम करता था। कुछ समय पहले ही पुलिस ने उसकी कई सोशल मीडिया आईडी डिलीट करवाई थीं। 13 साल की उम्र में ही उस पर दुष्कर्म के तीन केस दर्ज हो गए थे। 26 साल की उम्र में उस पर कुल 32 मामले थे। इसमें हत्या और ड्रग्स के भी कई मामले थे। सोमवार शाम को सलमान लाला का शव इंदौर पहुंचा जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान नारेबाजी भी हुई।

पुलिस से बचने में जान गई

सलमान लाला का शव रविवार को सीहोर में इंदौर-भोपाल हाईवे किनारे पानी से भरे गड्ढे में मिला। उस पर एनडीपीएस और हत्या के प्रयास सहित 32 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। सोमवार सुबह भोपाल के हमीदिया अस्पताल की मॉर्चुरी में पोस्टमार्टम किया गया।

पुलिस पर परिजनों का आरोप

परिजनों ने इंदौर पुलिस पर सलमान की हिरासत में हत्या करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सलमान तैराक था, वह पानी में डूब नहीं सकता। परिजनों ने समुद्र में तैरते हुए उसका एक वीडियो भी पेश किया और दावा किया कि उसकी मौत हादसा नहीं, बल्कि हत्या है।

फरार था एमडी ड्रग मामले में

क्राइम ब्रांच अफसरों के मुताबिक, सलमान लाला एमडी ड्रग केस में फरार चल रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस उसकी निगरानी कर रही थी। बताया गया कि सागर जेल से भाई को लेने के बाद रात करीब 2 बजे वह इंदौर-सीहोर हाईवे पर स्कॉर्पियो से आ रहा था। तब उसे रोका गया। पुलिसकर्मी उसे पकड़ने पहुंचे तो सलमान ने अंधेरे में छलांग लगा दी। दो दिन तक उसकी तलाश चलती रही और रविवार को शव पानी में तैरता मिला।

पुलिस पर हमला करने का इतिहास

सलमान लाला का पुलिस पर हमला करने का लंबा इतिहास रहा है। कुछ समय पहले खजराना में उसने क्राइम ब्रांच के एसआई पर पिस्टल तान दी थी, जिसके बाद उसकी जमकर पिटाई हुई थी। पुलिस को आशंका थी कि उसकी गाड़ी में अवैध हथियार मौजूद हैं और मुठभेड़ की स्थिति बन सकती है।

सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी का नेटवर्क

सलमान लाला ने उज्जैन के कुख्यात बदमाश दुर्लभ कश्यप की तरह नेटवर्क खड़ा कर रखा था। उसकी इंस्टाग्राम पर करीब दो दर्जन फर्जी आईडी उसके परिचित युवक-युवती चलाते थे। इन पर वह खुद को गैंगस्टर बताने और पुलिस कस्टडी के वीडियो साझा करने जैसी गतिविधियां करता था। क्राइम ब्रांच ने दो साल पहले कार्रवाई कर कई आईडी डिलीट कराई थीं।

मारपीट कर बनाता था वीडियो

डेढ़ साल पहले एमआईजी इलाके में सलमान ने एक युवक को नग्न कर बेरहमी से पीटा था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। अक्सर वह युवकों से मारपीट कर वीडियो बनाता और उन्हें सोशल मीडिया पर डालकर खौफ कायम करने की कोशिश करता था।

काठमांडू के होटल में रुका था अनवर कादरी

बेटी ने दिया होटल का बिल; दूसरी पत्नी दे रही थी इंदौर की जानकारी

• इंदौर । निज प्रतिनिधि

इंदौर में लव जिहाद की फंडिंग के मामले में आरोपी अनवर कादरी से पुलिस की पूछताछ लगातार जारी है। आरोपी कादरी पर FIR के बाद वह काफी समय से फरार चल रहा था, पुलिस ने उस पर इनाम भी घोषित किया था। शुक्रवार को अचानक वह कोर्ट में पेश हो गया। इधर, पुलिस को 3 सितंबर तक का उसका रिमांड मिला है। पुलिस उससे पूछताछ कर कई जानकारी निकाल रही है। शनिवार को भी हुई पूछताछ में कई बातों का खुलासा हुआ है। बता दें कि बाणगंगा थाने के दो प्रकरणों में आरोपी अनवर कादरी की गिरफ्तारी की गई है।

काठमांडू के होटल में रुका था कादरी

पुलिस पूछताछ में यह बात सामने आई है कि आरोपी अनवर कादरी FIR दर्ज होने के बाद इंदौर से भोपाल होते हुए दक्षिण के राज्यों से होते हुए नेपाल भाग गया था, जहां वह अलग-अलग स्थानों पर रुका था। एसीपी रुबीना मिजवानी ने बताया कि शनिवार को पूछताछ में पता चला कि कादरी फरारी के दौरान काठमांडू के एक होटल में ठहरा था।

होटल में ठहरने का जो बिल जमा हुआ था, वह उसकी बेटी आयशा ने दिल्ली से जमा कराया था। आयशा लगातार अपने पिता अनवर कादरी की मदद और संरक्षण कर रही थी। उसने ही कादरी की अग्रिम जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में प्रयास किया था, लेकिन आयशा की गिरफ्तारी के कारण कोर्ट में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी।

पत्नी दे रही थी इंदौर में हो रही एक्टिविटी की जानकारी

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अनवर कादरी की दूसरी पत्नी फरहाना कादरी की फरारी के दौरान उसे इंदौर में होने वाली एक्टिविटी के बारे में जानकारी दे रही थी। फरहाना अनवर के साथ नेपाल में ही थी। फरहाना के पास परिवार के लोगों के कॉल आते थे। अनवर को डर का था कि कहीं इसके कारण वह पकड़ा ना जाए, इसलिए उसने पत्नी को वापस भेज दिया था। इसके बाद वह 19 जुलाई को वापस अनवर कादरी के पास नेपाल गई। यहां पर उसने अनवर को इंदौर में चल रही एक्टिविटी के बारे में पूरी जानकारी दी।

नेपाल में खुद के नाम से खरीदी थी सिम

एसीपी मिजवानी ने बताया कि ये बात सामने आई है कि अनवर कादरी ने नेपाल में खुद के नाम से सिम ली थी, जिसके माध्यम से वह फरहाना और आयशा से संपर्क में रहता था। वह सामान्य कॉल करने के बजाय इंटरनेट कॉल करता था, ताकि उसकी लोकेशन के बारे में पुलिस को पता ना चले।

जिस तरह से वह इतने दिनों तक छिपकर रहा, इस पर पुलिस मान रही है कि वह काफी शातिर है। इधर, पुलिस आरोपी अनवर कादरी से आरोपी अल्ताफ और साहिल को दिए आर्थिक सहयोग के बारे में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी अनवर कादरी ने यदि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ संपत्ति संबंधी या अन्य कोई अपराध किया है तो वह थाना प्रभारी से मोबाइल पर संपर्क कर उचित कार्रवाई के लिए आवेदन दे सकता है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक कुमारी ऋतु साहू द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल-462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं 173, शिव जानकी वाटिका, 80 फीट रोड, कोलार रोड, भोपाल -462042 (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक : ऋतु साहू, मो. 7415310179 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) email: info.samachargrah@gmail.com